नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी–४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१–५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो, विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं, विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं, दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २७१ वि.सं. २०८२ बैशाख ०९ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 22 April 2025] (मोल रु. ५ ।– पेज ४)

टिना खेतीसे मीनाके जिविकोपार्जनमे सहजता

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ बैशाख । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ४ स्थित सुन्दरपुर मुक्तकमैया बस्तीके मीनादेवी चौधरीहे टिना खेतीसे जिविकोपार्जनमे सहजता ल्यानल बा ।

केयर नेपाल, आइविइ नेपाल, म्याप इन्टरनेशनलके आर्थिक सहयोग ओ याक नेपालसे पोषण परियोजना अर्न्तगत सामुदायिक सिकाई केन्द्रके स्थापना करके जलवायु अनुकुलन कृषि प्रविधि मार्फत टिना खेतीमे सहयोग करलपाछे मीना चौधरी उ टिना आपन आयस्रोतके माध्यम बनल बटैठी ।

घरमे हिरगरके कमुइया मनै कोइ नैहोके आर्थिक स्रोतके कौनोफे डगर नैहो,' मिना कहली– 'घर गुजारा चलैना कर्रा बा । दुई ठो कन्या जेठुवा बटै । ओइने आँखी नैडेख्ना अपाङता बटै । ओइनहे लर्काहस सहरे परठ । आपन एक ठो छावा, एक ठो छाई बटै ओइनहे पह्राई परठ । गोसिया खासे काम नैजानठ ।'

याक नेपालसे सामुदायिक सिकाई केन्द्रके स्थापना करके जलवायु अनुकुलन कृषि प्रविधि मार्फत टिना खेतीमे सहयोग करलपाछे उ दैनिक जीवनहे आघे ढकेल्ना आधार बनल मीना बटैठी ।

उहाँ कहली, 'पहिले व्यवसायिक रुपमे टिनाके कबु नैकरले रहु । याक नेपालसे सर/मेडमहुक्रे आके टिना खेती कैना तरिका सिखैलै, प्लाष्टिक घर बनैना, विउ विजन खरिद कैना सहयोग

करलै । ओठेहेसे व्यावसायिक रुपमे टिना लगैना सुरुवाट कैनु । पहिलेक लटमे लगाइल टिना बेचके घरगुजारा चलैना, घर परिवारके औषधीउपरके सहयोग पुगल ।'

घरेक सुन्दरताके लाग फुला मै सुकुवारीमे लगाउ, याक नेपालसे सहयोग पाइलपाछे यी बरस मै प्लाष्टिक टनेलमे ढेर फुला लगैनु उहीहे विक्री करके मै ६ हजारके आम्दानी कमैनु मिना कहली ।

उहाँ कहली, 'बर्षापाछे हिउँदे टिना लगाके विक्री कैनु, उहीसे जो मै आपन लर्कनके पह्राई खर्च बेहोर्नु । अपाङता रहल दुई जेठुवनके उपचारफे करैनु । अब्बेक लगाइल टिना भर्खर फरल बा ।' *(बाँकी ३ पेजमे)*

नेपाल महिला संघ कैलारीसे शुभकामना आदनप्रदान कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता

हसुलिया, ८ बैशाख । नेपाल महिला संघ कैलारी गाउँपालिकाके आयोजनामे सोम्मारके रोज कालिमाईमे शुभकामना आदनप्रदान तथा भेटघाट कार्यक्रम कैगिल बा । संघसे नयाँ बर्ष २०८२ सालके उपलक्ष्यमे शुभकामना आदनप्रदान तथा भेटघाट कार्यक्रम कैगिल हो ।

नेपाल महिला संघ कैलारी गाउँपालिका अध्यक्ष कृष्णा चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रदेश नीति तथा योजना आयोगके उपाध्यक्ष डा. जीवन राना प्रमुख अतिथि रहल रहिट ।

कार्यक्रममे सम्बोधन करटी थारु समुदाय आपन अधिकार स्थापित करेक लाग एकजुट होके लागे पर्ना बटैली । कैलाली कञ्चनपुरके पहिल बासिन्दा थारु समुदाय रहल ओ यहाँ बैठना लायक बनुइयाफे थारु समुदाय रहल उहाँ बटैली । औलो मलेरियासे जिटके बैठल कारण थारु समुदाय सिकलसेल एनिमिया रोग थारु समुदायमे केल डेखा परल ओरसे यी संगे और रोग नैलागे डेना सचेतना अपनैना आग्राह करली ।

थारु समुदायके भाषा, कला, संस्कृति लगान, खानपानमे अपने खालके सुन्दरता बा, फरक पहिचान बा । पुरुष मेचीसे पश्चिम महाकालीसमके थारु समुदायके भाषा फरक रहलेसेफे एक रहल ओरसे एक हुके आघे बह्रेपर्ना जरुरी रहल बटैली । थारु समुदायके महिलाहुकनके सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार नेपाली काँग्रेस सम्मान करलपाछे अपने लगायत ढेर महिला निर्णायक ठाउँमे पुग्ना सफल हुइल बटैली ।

ओस्टेक करके उहाँ आपन लर्कनके भविष्य बनैन लर्कनके शिक्षामे ढेर डेहे पर्ना, ओ थारु समुदायके यूवा लागु औषधमे फस्टी गैलसे उहोर ध्यान डेहे पर्ना बटैली ।

कार्यक्रममे विशिष्ट पहुना नेपाली काँग्रेस कैलालीके कार्यबाहक सभापति खेमराज डंगौरा *(बाँकी २ पेजमे)*

नेपाली भूमि मिचके तटबन्ध

दार्चुला, ८ वैशाख । दार्चुला सदरमुकाम खलंगामे रहल नेपाली भूमिमे भारत धमाधम तटबन्ध निर्माण करटी रहल बावै । दैनिक नेपाली भूमिमे भारतीय डोजर चल्टी रहलेसे फेन स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि मौन रहल कहटी स्थानीयवासी आक्रोशित बनल बाटै ।

२०७० के बाढपाछे महाकाली लडिया बहाब परिवर्तन कैके उपार रहल नेपाली भूमिमे कब्जा जमैटी भारत तटबन्ध निर्माणके काम करटी रहल स्थानीय बटैले बाटै । २०७० से पहिले महाकाली लडिया यपार रहल ओ कानूनी रूपमे अब्बे फेन नेपालके नाउँ नक्सामे रहल गल्फैस्थित बसपार्क महाकाली उपारके भूमिमे भारतसे बाँध बन्धटी रहल स्थानीय अनिल ठगुन्ना दाबी करलै ।

नेपालके झन्डै ५० रोपनी भूमि लडिया उपार पुगलमे उ भूमिमे भारतसे स्थानीय नागरिक ओ प्रशासनके अनुरोधहे अटेर कैके तटबन्ध बनैटी रहल हो । विगतमे स्थानीय अवरोध करेबर रुकल काम अब्बे फेनसे सुरु हुइल औरे स्थानीय कृष्ण धामी बटैलै । नापी विभागके टोलीसे विगतमे नापजाँच करेबर उ भूमि नेपालके रहल पैलेसे फेन नापीके रिपोर्ट नै सार्वजनिक नैकरल स्थानीय सुन्दरसिंह धामी बटैलै । नापी विभागके अभिलेख सार्वजनिक कैके नेपाली भूमिमे भारतसे निर्माण कैटी रहल तटबन्धके काम तत्काल रोके पर्ना उहाँके कहाइ रहल बावै ।

अब्बे लडिया सीमामे बहल नैहो, नागरिक अधिकारकर्मी कमलराज जोशी कहलै, "२०७० सालके बाढपाछे गल्फैको महाकाली पार फेन नेपालके भूमि बावै । उ भूमिमे विगतमे नेपालके वन, भू संरक्षणलगायत कार्यालय ओ घर रहलमे अब्बे महाकालीसे बहाब परिवर्तन करलपाछे भारतसे अतिक्रमण करटी रहल बावै ।"

भारतसे नेपालके भूमि छोडके किल बाँध बाँधे पर्ना नागरिक समाज दार्चुलाके अध्यक्ष महेश भट्टके कहाइ रहल बावै । सार्वभौमसत्ता सम्पन्न नेपालमे भारतसे अइसीक सीमा मिचके बाँध बन्धटी रहलमे आपत्ति जनैटी उहाँ तत्काल काम रोक्न सरकारसँग अनुरोध करले बाटै । गृह मन्त्रालयसे आवश्यक रिपोर्टिङ करल ओ स्थानीय स्तरमे भारतीय प्रशासनसँग काम रोक्न लिखित ओ मौखिक रूपमे अनुरोध कैलेसे फेन सुनुवाई नैहुइल दार्चुलाके प्रमुख जिल्ला अधिकारी अनिल पौडेल बटैलै ।

भारतहे नेपाली प्रशासनमार्फत करल अनुरोधमे बुझना काम हुइटी रहल कहटी अल्झाइल पाइल बावै । काम रोक्नाके सट्टा मेसिन ओ जनशक्ति बह्राके काम हुइटी रहल बावै, एक जाने सुरक्षा अधिकारी कहलै, "शनिच्चरके पाँचठो डोजर प्रयोग कैके उ क्षेत्रमे काम कैटी रहल पाइल बावै ।" सरकारसे कूटनीतिक रूपमे फेनसे विवाद नैअइना मेरके यी विषय समाधान करे पर्ना प्रजिअ पौडेलके कहाइ रहल बावै । नेपाल ओर नदी तटीय क्षेत्रमे तटबन्ध निर्माणके काममे अवरोध कैटी आइल भारतसे उपार तटबन्ध बनाइक लाग नेपाली सीमामे पुगके निर्माण सामग्री लैजैना ओ लडियाके धार नेपाल ओर फर्कैना काम विगतस कैटी आइल रहे । कुछ महिना पहिले भारतीय डोजर महाकाली नाघके खलंगामे आइलपाछे विवाद चर्कल रहे । भारतसे झन् अब्बे गल्फै उपारके नेपाली भूमिमे बलमिच्याइँ कैके बाँध बन्धटी रहल बावै ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

देशके किसानके अवस्था, उत्पादन ओ बिचौलिया सरकार

विचार

✍ अभिमन्यु चौधरी

पाल कृषिजन्य उत्पादनमे आधारित एक कृषिप्रधान मुलुक हो । नेपालके आम–जनताके जीवन निर्वाहके मूल आधारस्रोत कृषिमे आत्मनिर्भर रहल बा । कृषि क्षेत्रहे नेपाली अर्थतन्त्रके मेरुदण्डके रुपमे लेजाइठ । टबमारे कृषिजन्य उद्योगके विकासविना देशके विकास कदापि सम्भव नइहुइ । नेपालके रोजगार, राष्ट्रिय आयके स्रोत तथा मुलुकके निकासी हुइना वस्तुसमेत कृषि रहल स्थितिमे कृषिजन्य क्षेत्रके सन्तुलित विकास विना देशके विकास ढेर असम्भव बा । नेपालमे कृषि क्रान्तिके सम्भावना प्रचुर बटै, मने दिगो ओ स्पष्ट कृषिनीति तथा कमजोर सरकार एवं कार्यान्वयनके अभावमे कृषि क्षेत्र आघे बढ्हे नइसेकल हो । टबमारे यकर लाग कृषि प्रणालीमे पुनः सरचना अपरिहार्य बा । नेपालमे दरो कृषिनीतिके अभावमेफे कृषि उत्पादनमे प्रतिकुल ह्रास आइल बा । देशके मुख्य उत्पादन अन्नबाली ओ धानखेती हो, मने विगत कुछ वर्षसे यकर उत्पादनमे प्रतिवर्ष नकारात्मक असर परटी आइल बा । ओस्टे देशके दुसर महत्वपूर्ण कृषिजन्य उपज विविध प्रकारके समस्त तरकारी बालीके उत्पादन हो, जौन आज दलाली ओ बिचौलियासे आक्रान्त बा, मने सरकार भर केवल रमिते बनल बा । यिहीसे आम उपभोक्तासमेत ठगल बटै । मुलुकमे देश ओ जनताके अहित कैना सरकार हुइलपाछे ओकर नियत, नियति ओ चरित्र सदा ओस्टे अधोगतिओर उन्मुख रही, जौन अब्बे हुइटी रहल बा । खाऔं अपन बारीके नखाऔं सीमापारिके अब्बे यी मौलिक नारा प्रत्येक स्वाभिमानी नेपालीके मन मन्दिरमे गुन्जटी रहल बा । यि नेपाल ओ नेपाली किसानवर्गके स्वाभिमानके अन्तरमनके पुकारहे सहजै छुले बा । । यी ओ यैसिन आवाज निर्वाधरुपमे अन्तरात्मासे प्रस्फुटित हुइना सिर्जना हुइट, जौन राष्ट्र, समाज ओ प्रत्येक नागरिकहे परजीवी हुइनासे रोके सेक्ना बलगर औजार हुइट, जेकरप्रति नेपाली किसान ओ उपभोक्ता वर्गसे सदा गर्व करे सेके परठ ।

म्याग्दी जिल्लास्थित मालिका गाउँपालिकासे अइना आर्थिक वर्ष २०८०/०८१ के लाग बजेट सन्दर्भमे गत असार ६ गते १३ औं गाउँसभासे पारित हुइल नीति तथा कार्यक्रममे फलफूल, तरकारी तथा अन्नबालीके पकेट क्षेत्र पहिचान करके सघन कृषि क्षेत्र निर्धारण करके व्यावसायिक कृषिजन्य कार्यक्रम सञ्चालन एवं कार्यान्वयन करेक लाग उ गाउँपालिकाके अध्यक्ष वेगप्रसाद गर्बुजासे उप्परके नारा सार्वजनिक करल हुइट । अस्टे सोच ओ चिन्तन सक्कु पालिकाके अध्यक्षमे आइसेक्लेसे नेपालीमेफे आत्मबल अवश्य बढ्ही ।

कृषि उपजके आयात प्रतिस्थापन कैना ओ स्थानीय उत्पादनके बजारीकरणमे टेवा पुगैना कार्यक्रमहे गाउँपालिकासे प्राथमिकतामे राखले बा । सक्कु प्रकारके कृषिजन्य खेतीहे प्राथमिकतामे धारके कृषि क्षेत्रहे व्यावसायिक बनैटी रोजगारी सिर्जना ओ पालिकावासीहे आत्मनिर्भर बनैना उप्परके नाराके सफलता अपरिहार्य बा । विशेष करके तरकारी ओ फलफूल खेतीहे प्राथमिकतामे धारके देशभर रहल सक्कु स्थानीय तहके यी निकायसे 'खाऔं अपन बारीके, नखाऔं सीमापारिके' कना शाश्वत उद्गारहे चिन्तन–मनन कैना हो कलेसे देश कृषिजन्य उत्पादनमे आत्मनिर्भर हुइना दुरके विषय नइरही । हमार सक्कु जनप्रतिनिधिहुक्रे काठमाडौंके मेयर बालेन्द्र साह ओ धरानके मेयर हर्क साङ्म्पाङजस्टे कर्मशील, अठोट, इमानदार ओ दरो आत्मविश्वासके साथ कार्य कैना हो कलेसे देशके विकास दुरके विषय हुइबे नइकरी । देशमे दिनप्रतिदिन घटटी गैल युवा जनशक्तिके अभावमे बाँझ जमिन सदुपयोगके लाग तालिम, औजार, उपकरण व्यवस्थापन, कृषिजन्य उत्पादन ओ प्रविधि हस्तान्तरणसँगसँगे रैथाने उत्पादनहे ढेर प्राथमिकता डेनाफे ओटरे महत्वपूर्ण बा ।

देशके कृषक मनै बचाइक लाग सञ्जीवनी बुटी हुइट, जीवन चलैना संवाहक हुइट मने नेपालके किसान सदा अपहेलित हुके बाँचे परल बा । अन्नदाता किसानके पिरमर्का बुझ्न एक ठोफे गतिलो सरकार अभिनसम देशमे देखा नइपरल हुइट । यी क्षेत्रके तरकारी ओ कृषिजन्य उत्पादनके बाट करेबेर देशके किसानसेफे चितवनके किसानके जस्टे नियति भोगे परल बा । गैल वर्ष केल भक्तपुरमे नेपाली बन्दासे उचित मूल्य नइपाइल कहटी किसानसे तरकारी सडकमे प्रदर्शन करके अपन दुखेसो पोखल रहिट । अस्टे कृषिजन्य उत्पादनके राजधानी मन्ना बनेपा, पनौती, धुलिखेल, पाँचखाललगायत सिङगो काभ्रे जिल्ला क्षेत्रके बहुमत किसानसे बारबार तरकारी ओ दुग्धजन्य पदार्थ सडकमे फेकल बाट कौनो नौलो नइहो, गैल जेठके अन्तिम साता पाँचखालके किसानसे सडकमे गोलभैंडाके अस्टे प्रदर्शन करल रहिट । ओस्टे बाँके, बर्दिया, कैलाली ओ कञ्चनपुरके किसानके हालतफे ओस्टे बा । राजधानीसे लग्गेक जिल्ला नुवाकोट ओ धादिङके अवस्थाफे ओस्टे बा ।

हरेक वर्षजस्टे अपने उत्पादन करल वस्तुके उचित मूल्य नइपाके सडकमे तरकारी फेक्ना बाध्य हुकेफे किसानमारा सरकार कबु गम्भीर नइबनठ । अपने उत्पादन करल वस्तु बिक्रीके लाग बजारके मजा प्रबन्ध नइहुके किसानमे भारी पीडा बा । यिहे क्रममे पछिल्का बार २०७९ माघमे नारायणगढके पुल्चोक बजारमे 'दलाली सरकार मुर्दावाद, किसानमारा सरकार मुर्दावाद' के नारा बुलन्द करटी किसान अपने उत्पादन करल उत्कृष्ट तरकारी व्यापक मात्रामे सडकमे फेक्के ओकर उप्पर डोजर चलाईबेर उ दृश्य हेर्ना कौन नेपाली मनसे देशके किसानप्रति दर्दनात्मक पीडाबोध नइकरल हुइही टे ? उ दुःखद घटनाप्रति ओइनके मर्मस्पर्शी भाव अपनही बोल्ठ –

बारीमे जाऊँ भविष्य नइहो,
खाडीमे जाँऊँ उमेर नइहो ।
नेपाली किसान मारे नमिली,
भारतीय तरकारी नइचाही ।
भारतीय तरकारी बजारमे,
नेपालीके तरकारी सडकमे ।

किसान अपने उत्पादन करल यावत् कृषिजन्य वस्तुके बजार व्यवस्थापन सरकारसे करे नइसेक्के देशमे यैसिन घटना प्रसस्ते घटल बा, मने सरकार भर कमिसनके आडमे दलालीहुकनहे महत्व डेके भारतीय तरकारी नेपाली बजारमे आयात करके मजाक करटी रहल बा । 'नेपाली गोलभैंडा सडकमे, भारतीय गोलभैंडा स्टलमे' कहटी गत असार ३ गते रामकोट, थानकोट, भक्तपुर ओ काभ्रे जिल्लालगायतके किसानसे कालीमाटीस्थित तरकारी बजारमे गोलभैंडा फेक्के प्रदर्शन करल रहिट । नेपाली किसानसे प्रतिकेजी रु. २ फे नइपैना मने दलाली ओ बिचौलियासे प्रतिकेजी रु. ५० सममे बिक्री करके किसान ओ उपभोक्ता दुनुहे मर्ना काम बिचौलिया सरकार अपनही करटी रहल बा । कालीमाटीमे गोलभैंडा होल्डमे धारके मूल्य बढैना बिचौलियाके नियत सदा आपराधिक रुपमे मौलाइल बा ।

बिचौलियासे अपनहे २० गुना नाफा हुइना करके किसानसंग तरकारी खरिद कैना परिपाटीहे सरकारसे नियन्त्रण करे नइसेकल अवस्था देशभिटर बा कलेसे आ.व. २०७९/०८० के पहिल १० महिनामे रु. ५५ करोडके गोलभैंडा भारतसे आयात हुइल बा । नेपालमे २२ हजार ६ सय हेक्टरमे खेती हुइना गोलभैंडा औसतमे ४ लाख ३२ हजार ६ सय मे.ट. उत्पादन हुइठ ।

देशके धानबाली उत्पादनमे सुधार नहुइनाके पाछे ढेर कारण विद्यमान बटै । सरकारी नीति स्पष्ट ओ कार्यान्वयन नइहुइना, मौसममे हुइना गडबडी ओ कमजोर मनसुनके कारण समयमे रोपाइँ हुई नइसेक्ना, पशुपालनमे कमी, कृषिमे जनशक्तिके अभावसे प्रतिवर्ष खेत बाँझ रहन क्रम बह्रटी जैना, रोजगारके खोजीमे युवा जनशक्ति विदेश पलायन हुइना तथा समयमे रासायनिक मलके सहज ढुवानी हुई नइसेक्ना लगायतके कारण हुइट । यकर अतिरिक्त किसानहे डेना सरकारी अनुदानके बजेटसमेत कृषकसे प्राप्त करे नइसेक्के सम्बन्धित सरकारी पदाधिकारी, दलाली ओ बिचौलिया बीचके चलखेलमे कागजी योजना बनाके अपनही खैना प्रवृत्तिके विकास हुइल बा । उ उखु किसानहे डेना अनुदानफे यसिक लुट्न करल बा, अनि कैसिक बढ्हे सेकी देशके उत्पादन ओ कृषकके मनोबल ? टिसरा स्थानमे फरना गोहुँ बालीके उत्पादनमेफे ह्रास आइल बा, मने नेपाले गोहुँक खपत खाद्यान्नमे न्यून बा । औसत नेपालीमे दुनु छाक भाटे के खैना प्रवृत्ति ढेर बा यकर कारण मुलुकके जनसंख्याहे थप चामल आयात करे परल बा । ओम्नेफे नेपालीहुकनमे मीठा मसिना चामलप्रति झन मोह बढ्हल बा । यी वर्ष नेपालसे रु. एक खर्ब ६० अर्ब हाराहारीमे धान चामलसहित कृषिजन्यवस्तु आयात करले बा । तराईके किसानहुक्रे धानके न्यूनतम समर्थन मूल्य पाई नइसेक्के सिमानासे भारतमे धान निर्यात हुइना करल बा । सरकारसे अपन देशके किसानसंग समयमे उचित मूल्यमे धान खरिद करके भारत जैनासे रोक्न सेकल केल नेपाल खाद्यान्नमे आत्मनिर्भर बन्न एक ठो दरगर आधार बने सेकठ । तराई क्षेत्रसे सस्ता मूल्यमे धान भारत निकासी हुइना अनि महँगा मूल्यमे उहे चामल नेपालीसे आयात करे पर्ना विडम्बना आज मुलुकभिटर बा । आजके अनुपातमे देशके जनसंख्या वृद्धि हुइटी गैलेसेफे खेतीयोग्य जमिनमे घडेरी वितरण कैना रोक्न तथा सिंचाई प्रणालीके अधिकतम प्रयोग करके जमिन बाँझ नइरख्न नीति सरकारसे लेना हो कलेसे नेपालहे कबुफे खाद्यान्नके अभाव नइहुई । पूर्वमे झापा, मोरङ, सुनसरी एवं पश्चिममे रुपन्देही, बाँके, बर्दिया, कैलालीमे जस्टे सिंचाइ सुविधा, मधेस प्रदेशके आठ जिल्लमे उपलब्ध हुइना हो कलेसे देशहे आत्मनिर्भर हुइना आवश्यक पर्ना झन्डे १८ लाख मे.टन धान यिहे प्रदेशसे केल उत्पादन हुई सेकी ।

आर्थिक वर्ष २०३७/०३८ सम नेपालमे धान चामल निर्यात कैना ७–८ ठो कम्पनी सक्रिय रहल रहिट, मने आज धान चामल आयात कैना मुलुकके रुपमे देश चिन्हल बा । कौनो राजनीतिक नेतृत्व वर्गके भूमिकामे देशके शासन सत्ता सञ्चालन ठीक नइहुके देश ओ जनतासे सदा अस्टे अवस्था भोग्टी रहनहे किमार्थ सुखद सन्देश नइमानजाई । देशके कृषि विकास ओ कृषिजन्य उत्पादनके क्षेत्रमे विगत नम्मा दशकसे क्रियाशील ओ समर्पित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयो भूमिका ओ योगदान आजसे कैयौं गुना गुणात्मक रहे, मने सङ्घीय सरकारके अवधारणा विकास हुइलपाछे हरेक जिल्लामे रहल जिल्लास्तरीय कार्यालयहे हटैना, खारेज कैना, एक–दुसरसंग गाँभ्न ओ हस्तान्तरण कैना क्रममे जिल्ला कृषि विकास कार्यालय विघटन करके यकर क्षेत्रहे सीमित धारगिल । आज ओकर ठाउँमे कृषि ज्ञान केन्द्र नामकरण करल बा । विगतमे जिल्ला कृषि विकास कार्यालयके क्षेत्र जटरा व्यापक ओ विस्तारित रहे, ममने आजके ज्ञान केन्द्र साधुरल ओ उपेक्षित अवस्थामे बा ।

विगत अर्थात् पञ्चायतकाल ओ ओकरपाछे फे जेटी, जेटीए गाउँ–गाउँमे जाके किसानसमक्ष पुगके प्रभावकारीरुपमे सेवा प्रवाह करिट । एक मेरके कना हो कलेसे किसान ओ कृषि प्राविधिकहुकनबीचके आत्मीय सम्बन्ध निकट रहे । तत्काल भारी जनशक्तिके रुपमे जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमे रहल राष्ट्रसेवक कर्मचारी बहुसंख्यामे कृषिमे स्नातक ओ स्नातकोत्तर विज्ञ रहिट, मने आज कृषि क्षेत्रमे उ क्षमतावान् जनशक्ति बढ्हैटी जाई पर्नामे कृषिमे उच्च शैक्षिक उपाधि प्राप्त करुइयाके मनोबल गिरल बा । देशके एक ठो केल कृषि विश्वविद्यालय रामपुरसे उच्च शैक्षिक उपाधि प्राप्त करुइया बेरोजगार हुइनाके साथे प्रतिभा पलायनके सूचीमे परल बटै । टबमारे प्रत्येक जिल्लाके कृषि विकासके लागफे जिल्ला कृषि विकास कार्यालयहे यथावत् रख्न सेके परल, जिहीसे जिल्लाके कृषि उत्पादन ओ कृषिजन्य गतिविधिमे गुणात्मक प्रभाव पर्ना सेके परल । जिल्लाभरके किसानहे आजके कृषि ज्ञान केन्द्र ओ जिल्ला कृषि विकास कार्यालयसे डेना सेवाबीचके सम्बन्ध*(बाँकी ३ पेजमा)*

नेपाल महिला संघ...

नेपालीके सक्कु संगठन सक्रिया हुइलेसे कैलारीमे नेपाली काँग्रेसके कबु हार नैहुइना बटैलै । कैलारीमे नेपाली काँग्रेस नेतृत्वके सरकार ढेर काम करल मने प्रचारप्रसारके कमी हुइल बटैलै ।

नेपाली काँग्रेस सुदूरपश्चिम प्रदेश सदस्य तथा कैलारी गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमझ चौधरी जनताके चाहना आपेक्ष ढेर रना मने सिमित बजेटके कारण कहल जैसिन विकास करे नैसेकल बटैलै । गाउँपालिकासे प्राथमिकताके आधारमे बजेट विनियोजन करके आघे बढ्हल बटैलै ।

गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी महिला अधिकार पानामे केल सिमिट रहल बटैली । व्यवहारमे लागु करे नैसेकल बटैली । महिलाके आवाज जबफे डबल रहठ, सुनुवाई नैहुइठ, पितृ सत्ताके सोचमे अभिनफे हाबी रहल बा उहाँ कहली । महिलाहुक्रे आर्थिक पाटोमे कम्जोर रहल ओरसे सीपमुलक आयम कार्यक्रमसे जोरना जरुरी रहल बटैली ।

कार्यक्रममे नेपाल महिला संघ कैलालीके शारदा सुनाम, जिल्ला समन्वय समिति कैलालीके सभापति टीकाकुमारी चौधरी भुल, नेपाली काँग्रेस कैलाली क्षेत्र नम्बर ३ के क्षेत्रीय सभापति रिता चौधरी, भूमि समस्या समाधान आयोगके जिल्ला सदस्य रामकुमारी चौधरी, नेपाली काँग्रेस महाधिवेशन प्रतिनिधि माया चौधरी, महाधिवेशन प्रतिनिधि मनिराम चौधरी, नेपाली काँग्रेस थारु आयोगके सदस्य सरिता चौधरी, नेपाली काँग्रेस कैलारी गाउँपालिका सभापति कृष्ण प्रसाद चौधरी, नेपाल महिला संघ क्षेत्रीय सभापति नन्दा शर्मालगायत मन्तव्य व्यक्त करल रहिट । कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य गीता चौधरी ओ संचालन मञ्जु चौधरी करल रहिट ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ कित्ता नं. ५६९ क्षेत्रफल ११८.५१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री बिमला खड्काले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।
१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः सडक | पश्चिमः दमन्तीदेवी शाही
उत्तरः गुनीदेवी थापा | दक्षिणः मंधरादेवी थापा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

छिमेकी उपभोक्ताहरूका लागि काठ/दाउरा विक्रीविरतण सम्बन्धी १० दिने सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित मितिः २०८२/१/९ गते

यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट आ.व.२०८१/२०८२ मा कटान भै घाटगद्दीमा सकंलन गरी समूहको घाटगद्दीमा रहेको साल, सिसौ, खयर काठ कैलाली जिल्लाभित्रका छिमेकी सामुदायिक वनका उपभोक्ताहरू, सघंसंस्थाहरूलाई, घरायसी प्रयोजनका लागि काठ आवश्यक भएमा सोको लागि निवेदन पेस गर्न यो १० दिने सूचना प्रकाशित गरिएको छ । यो सूचनाको अवधिभित्र सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्यालयमा निवेदन पेश गर्न हुन जानकारी लागि अनुरोध गरिन्छ ।

अध्यक्ष
श्री जनज्योति सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह
महोन्याल गाउँपालिका वडा–४, कैलाली

छिमेकी उपभोक्ताहरूका लागि काठ/दाउरा विक्रीविरतण सम्बन्धी १० दिने सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित मितिः २०८२/१/९ गते

यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट आ.व.२०८१/२०८२ मा कटान भै घाटगद्दीमा सकंलन गरी समूहको घाटगद्दीमा रहेको साल काठ कैलाली जिल्लाभित्रका छिमेकी सामुदायिक वनका उपभोक्ताहरू, सघंसस्थांहरूलाई, घरायसी प्रयोजनका लागि काठ आवश्यक भएमा सोको लागि निवेदन पेस गर्न यो १० दिने सूचना प्रकाशित गरिएको छ । यो सूचनाको अवधिभित्र सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्यालयमा निवेदन पेश गर्न हुन जानकारी लागि अनुरोध गरिन्छ ।

अध्यक्ष
श्री सुनपाल सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह
महोन्याल गाउँपालिका वडा–४, बजाडी, कैलाली

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५२२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

हर्बल पार्कके काम अलपत्र

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ बैशाख । कैलालीके गौरीगंगा नगरपालिकामे ९० लाखमे खर्च कैके बनल हर्बल पार्कके काम अलपत्र परल बावै । जिल्लाके गौरीगंगा नगरपालिका वडा नम्बर ४ स्थित कालिका सामुदायिक बन्वा भिट्टर निर्माण सुरु करल हर्बल पार्क बोरिङ ओ एकठो शौचालय किल बनाके बाँकी काम अलपत्र अवस्थामे छोरल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालयसे उ क्षेत्रमे हर्बल पार्क बनाइक लाग ५० लाख बजेट विनियोजन करल रहे । मन्त्रालयसे हर्बल पार्क बनाइक लाग बजेट विनियोजन करलपाछे नवीन धामीके अध्यक्षतामे उपभोक्ता समिति गठन करल रहे ।

हर्बल पार्कहे आघे बह्राइक लाग आर्थिक बरस २०७८–७९ मे पुन: सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे ४० लाख रुपियाँ बजेट विनियोजन करल रहे । ४० लाख बजेट हर्बल पार्कके नाउँमे खर्च करक लाग औरे उपभोक्ता समिति गठन करल रहे ।

खेम सापकोटाके अध्यक्षतामे बनल समितिसे सामान्य पर्खाल बनाके ४० लाख रुपियाँ खर्च करल पाइल बावै । मने उ कामप्रति अध्यक्ष सापकोटा नै असन्तुष्ट रहल बाटै । कुल १० करोड लगानी अनुमान करल उक्त पार्कके काम बजेट नैहोके अलपत्र परल पार्क निर्माण उपभोक्ता समितिके अध्यक्ष खेमराज सापकोटा बटैलै । उहाँ ४० लाखके काम आपन कार्यकालमे सम्पन्न करल दाबी करलै ।

उ समितिसे २८ लाख रुपियाँ खर्च कैके एकठो बोरिङ ओ एउटा शौचालय किल बनाके बाँकी काम अलपत्र अवस्थामे छोरल हो । अब्बे उक्त कार्यके चौतर्फी विरोध हुइटी रहल बावै । स्थानीय मदन भट्ट पार्कके नाउँमे गुणस्तहिन काम कैके उपभोक्ता समितिसे बदमासी करल बटैलै । आइल बजेट फेन मिलेमतोमे पचैना करल कहटी स्थानीय आक्रोश पोख्ले बाटै । दलीय भागबन्डा कैके बजेट कुम्ल्याइना स्थानीय योगेश आचार्य आरोप समेत लगैले बाटै ।

उक्त कार्यआघे बह्राइक लाग सुरुमे नवीन धामीके अध्यक्षता निर्माण उपभोक्ता समिति गठन करल रहे । उ समितिसे २८ लाख रुपियाँ खर्च कैके शौचालय ओ बोरिङ जडान कैके बाँकी काम आघे बह्राइ नैसेकल रहे । ओकरपाछे आर्थिक बरस २०७८/७९ मे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे थप ४० लाख बजेट विनियोजन करल रहे । मने बजेट खर्च हुइलेसे फेन निर्माण कार्य भर अलपत्र परल बावै । उक्त बजेटमे सामान्य एकतर्फी पर्खाल लगाके बाँकी काम अलपत्र छोरल बावै । उपभोक्ता समितिमार्फत करल उक्त कामके फेन चौतर्फी रूपमे विरोध हुइटी रहल बावै ।

४० दिनमा ४० लाख रुपियाँ खर्चकैके निर्माण करल पर्खाल जीर्ण बनल बावै कलेसें तार जाली तोडफोड करल बा । सुदूरपश्चिम प्रदेशके उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय अन्तर्गतके पर्यटन कार्यान्वयन एकाइसे बजेट निकासा हुइल हर्बल पार्क निर्माणमे ढेर रकम घोटाला हुइल स्थानीयके गुनासो रहल बावै ।

करिब १६ बिघा क्षेत्रमे निर्माण हुइना कहल हर्बल पार्क निर्माणके नाउँमे अब्बे करिब ९० लाख रुपियाँ खर्च होसेकल बावै । मने यी बेर भर हर्बल निर्माण कार्य आघे बह्राइक लाग बजेट विनियोजन नैहुइल सुदूरपश्चिम प्रदेशका उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय अन्तर्गतके पर्यटन कार्यान्वयन एकाइके सब–इन्जिनियर नरेन्द्रबहादुर खडायत बटैलै ।

उहाँ सुदूरपश्चिम प्रदेशके उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय अन्तर्गतके पर्यटन कार्यान्वयन एकाइसे हर्बल पार्क बनाइक लाग छुट्याइल ४० लाखमध्ये ३५ लाख ९९ हजार रुपियाँ खर्च हुइल बटैलै । हर्बल पार्क बनाइक लाग करिब १० करोड लगानी अनुमान करल बावै । मने चालु आर्थिक बरसके लाग भर बजेट विनियोजन करल नैहो ।

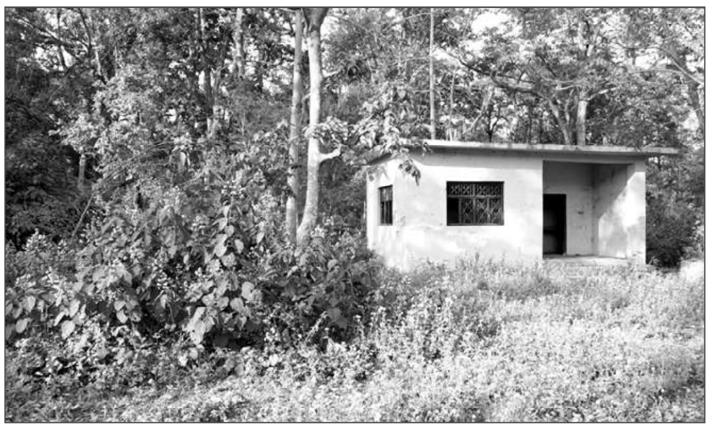

देशके किसानके...

भर आकाश–जमिनके अन्तर बा ।

मुलुकमे खाद्यान्न उत्पादन, उत्पादकत्व ओ तरकारी खेतीमे वृद्धिके लाग सिंचाइके महत्वपूर्ण भूमिका रहठ । नेपालके १५ औं पञ्चवर्षीय योजनाअन्तर्गत आ.व. २०७८/०७९ सममे कुल २६ लाख ४१ हजार हेक्टर कृषियोग्य जमिनमध्ये १५ लाख ३५ हजार हेक्टरमे सिंचाइ सुविधा पुगैना लक्ष्य राखल रहे, मने उ ओटरा सहज नइहुइल । कृषि तथा पशुपक्षी मन्त्रालयके अनुसार मुलुकभर झन्डे ३९ लाख हेक्टर खेतीयोग्य जमिन बा, मने १५ लाख ३१ हजार हेक्टरमे सिंचाइ सुविधा पुगल दाबा बा उ फे स्पष्ट नइहो । आ.व. २०७९/०८० मे थप २२ सय हेक्टरमे सिंचाइ सुविधा विस्तार हुइल अर्थ मन्त्रालयसे उल्लेख करले बा । कृषिविज्ञ कृष्णप्रसाद पौडेल कहठै– सरकारसे कृषिमे ध्यान डेहे नइसेकल अवस्था बा । तीन दशकआघे २०४८ सालके नार्कके रिर्पोटमे ३५ लाख हेक्टरमे धानखेती करल आधार बा, मने अब्बे धानखेती घटके १४ लाख हेक्टरमे सीमित हुई पुगल बा कलेसे धान उत्पादनके अवस्थाफे निराशाजनक बा । विविध कारण एवं सरकारके गलत नियतसे ढेर खेतीयोग्य जमिन नाश हुइल बा ओ यी क्रम निरन्तर घट्दोरुपमे बा । अब्बे देशभर एकलाख ५० हजार हेक्टरसे ढेर खेतीयोग्य जमिन बाँझ बा ।

कृषि मन्त्रालयके अनुसार आ.व. २०७९/०८० मे कुल ५४ लाख ८६ हजार ४७२ मे.ट. धान उत्पादन हुइल बा, जबकि देशमे धानके माग ७२ लाख मे.ट. आवश्यक परठ । नेपाल विश्वमे धान उत्पादन कैना मुलुक मध्ये १२ औं स्थानममे परठ । यैसिन अवस्थामे आ.व. २०७९/०८० के ११ महिनामे केल रु. ३३ अर्बके धानचामल आयात हुइल बा । कृषि विभागके अनुसार यी वर्ष असारके अन्तिमसम मुलुकभर ७० से ७५ प्रतिशत रोपाइँ हुइना अनुमान करल बा अति साना, साना, मझौला ओ भारी किसानके बाहुल्यता रहल देशमे सरदर ३३ प्रतिशत जमिनमे केल सिंचाइ सुविधा उपलब्ध बा । चरम भ्रष्टाचार ओ बेथितिके पहाडमे ठरहयाइल यी भ्रष्ट सरकारसे देशमे सुशासन ओ समृद्धिके नारा लेके खाद्यान्न उत्पादनमे वृद्धि करके देशहे आत्मनिर्भर बनाई खोज्न कहल मर्ना बेलामे हरियर काँक्रा कहल जस्टे केल हो ।

abhimanyuchaudhary277@gmail.com

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

टिना खेतीसे मीनाके...

मुक्तकमैया परिवारके रहल उहाँ जग्गा जमिन ओटरा ढेर नै रहल ओ और सीपफे नैरहल ओरसे व्यावसायिक टिना खेतीहे निरन्तरता डेना उहाँ बटैठी ।

पोषण परियोजना अर्न्तगत सामुदायिक सिकाई केन्द्र व्यवहारिक रुपमे करके सिख्ना ओ डेखके विश्वास कैना मुल उद्देश्यके साथ जलवायूमैत्री कृषि प्रविधिहे जोरल याक नेपालके पोषण परियोजना कृषि तथा बजारीकरण अधिकृत जनक खनाल बटैठै । उ परियोजना अर्न्तगत छापो खेती प्रविधि, केच्ना (गन्यौला) मल प्रविधि, भर्मिङ वास्क, वायोचार, जलवायूमैत्री कृषिमे एकिकृत शत्रुजीव व्यवस्थापनहे जारके काम करटी आइल उहाँ बटैलै ।

कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ४ मे मीना चौधरीके घरमे सामुदायिक सिकाई केन्द्र स्थापना करले बटी,' उहाँ कहलै, 'जिहीसे यहाँके स्वास्थ्य आमा समुहके सदस्यहुक्रे यहाँ आके लौवा प्रविधि सिखिट ओ डेखके विश्वास करिट, आपन घर या और ठाउँ जाके यकर लागु करिट कना वातावरण बनल उहाँ बटैलै ।

पोषण परियोजना अन्तर्गत कैलारी गाउँपालिकाके वडा नम्बर ४ ओ वडा नम्बर ७ मे २५ ठो स्वास्थ्य आमा समुह संग काम करटी रहल ओ ओम्ने ५ सय जाने सदस्य बटै । यी पोषण परियोजनासे कृषि सम्बन्धी, स्वास्थ्य सम्बन्धी, स्वास्थ्य प्रणाली सम्बन्धी सुदृढिकरण, खानेपानी स्वच्छता ओ सरसफाईमे काम कैनाके संगसंगे महिला शसक्तीकरणमे काम करटी रहल उहाँ बटैलै ।

यी परियोजनाके कृषि क्षेत्रमे हेर्ना हो कलेसे पोषण बगैचा बनैना एक जाने स्वास्थ्य आमा समुहके सदस्यहे १० हजार बराबरके उहाँके खाता खोलके किसान कार्ड मार्फत आपनहे चाहल कृषि सामाग्री खरिद कैना व्यवस्था मिलाइल अधिकृत खनाल बटैलै । अब्बे स्वास्थ्य आमा समुह कृषि कार्डके व्यवस्था ओ आर्थिक सहयोग पाइलपाछे पोषण बगैचा मजा बनाइल उहाँ बटैलै ।

ओस्टेक करके उहाँ केयर नेपाल, आइविइ नेपाल, म्याप इन्टरनेशनलके आर्थिक सहयोग ओ याक नेपालसे पोषण परियोजना अर्न्तगत स्वास्थ्य संस्थाहे स्वास्थ्य सामाग्री हस्तान्तरण ओ स्वास्थ्यकर्मीहुकनहे क्षमता अभिवृद्धिके लाग तालिमके व्यवस्था करल उहाँ बटैलै ।

सामुदायिक सिकाई केन्द्रमे का का प्रविधि बा टे ?

नर्सरी गुम्बोज प्रविधि: जेकर प्रयोग जारयाममे ब्याडमे छिटल विउ ओ जामल टेलुवाहे सुहैना तापक्रम कायम रख्ना प्लाष्टिकके गुम्बोज उपयूक्त रहठ ।

माटी निर्मलीकरण प्रविविधि: सौर्य उर्जाके प्रयोग करके माटीक तापक्रम बढाके माटीमे रहल हानिकरक जीव आदिके नियन्त्रण कैना सरल तरिका सिखाइल बा ।

प्लाष्टिक घर प्रविधि: प्लाष्टिक घरके प्रयोग करके प्रतिकुल मौसममे फे विरुवाहे अनुकल वातावरण सिर्जना करके वेमौसमी टिना उत्पादन करे सेक्जाइठ ।

थोपा सिचाई प्रविधि: पानीके समस्या रहल ठाउँके सिचाई कैना प्रयोग हुइना प्रविधि जिहीसे पैसा, समय ओ पानीके बचत करके जारके वृद्धिफे घटाइठ ।

छापो प्रविधि: यी प्रविधिमे छापोके रुपमे पैरा, पाटपटिङगर तथा मल्चिङ प्लाष्टिकके प्रयोग करजाइठ । यी प्रविधिके प्रयोगसे झारपात कम अइना, माटीक चिस्यान कायम हुइना ओ सतहवाज मलगर माटी पुहके जैनासे रोकथाम करठ ।

केच्ना (गडयौला) मल: केच्ना (गडयौला)से प्राङगरिक कच्चा पदार्थ जस्टे गोवर, सागसब्जी, घाँसपात, फलफुल आदि खाके पचाई निकरल मल प्रयोग करके उत्पादन बह्राई सेक्जैना हुइल बा ।

झोलमल–१: यकर प्रयोग १६ लिटर गैयक मुट, १६ लिटर पानी, १७ किलो गोवरके प्रयोग करके झोलमल–१ हे विरुवाके फेद, वारपार माटीक प्रयोग करे परठ । यिहीसे विरुवाहे पोषणतत्व प्रदान कैनाके साथे माटीमे रहल रोग किराके समेट नियन्त्रण करठ । झोलमल विरुवा लगाइल १५/१५ दिनके फरकम ४/५ चो प्रयोग करे परठ ।

झोलमल–२ : यकर प्रयोग २४.५ लिटर गैयक मुट, २४.५ लिटर पानी, १ लिटर जिवातुसे बनाजाइठ । झेलमल–२ मे गैयाभैसक पिसाव रहल ओरसे यिहीहे विशेष करके रोग किरा नियन्त्रण करेक लाग जैविक विषादीके रुपमे प्रयोग करजाइठ । विरुवामे लग्ना कीराहे गैयाभैसक पिसावके गन्ध ओ स्वाद मन नैपर्ना ओरसे यिहीसे कीरा नियन्त्रण करेक लाग मद्दत करठ ।

झोलमल–३ : यकर प्रयोग २० लिटर गैयक मुट, २० लिटर पानी, १० किलो टरो, पिरो, तिट वनस्पतिके भाग मिलाके बनाजाइठ । झोलमल–३ से खास करके बोटविरुवाहे हानी नोकसानी पुगैना टमान खाले किरा ओ रोग नियन्त्रण करठ । ओ विरुवाहे पोषणतत्वफे प्रदान करठ । लेदोके रुपमे रहल झोल मलहे कपरासे छाने परठ । छानल झोलके १ भाग पानीमे मिलाके विरुवाके सक्कु भागमे भिज्ना करके छिटे परठ ।

रासायानिक मल तथा विषादीके कारण मानव स्वास्थ्यमे भारी असर परटी रहल बा । हम्रे जैविक विषादी ओ जैविक मल प्रयोग करके जलवायु अनुकुलन कृषि प्रविधि मार्फत आर्गानिक उत्पादनहे छोरके एक/पैसाके लालचमे रासायानिक मल ओ विषादीके प्रयोग करके उत्पादन करल टिना फलफूल खैठी । मने उहीहे पारल असरमे ध्यान नैडेहल हुई ।

धनगढी–स्याउले सडकके पोलमे बत्ती जडान

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ बैशाख । कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिकासे बत्ती जडानके काम फेनसे सुरु कैले बावै । धनगढी–स्याउले सडकके पोलमे बत्ती जडानके काम सुरु करल हो ।

'ओजरार धनगढी' अभियान अन्तर्गत हाल नौ सय ५४ ठो बत्ती सडकके पोलमे जडान कैना हुइल बावै ।

धनगढी–दीपायल द्रुतमार्ग, हुलाकी राजमार्ग, राजपुल–भन्सार रिंग रोड, क्याम्पस चोक–जाखोरताल सडक, बेहडाबाबा मन्दिर जैना सडकके पथरी क्षेत्रके विद्युत पोलमे बत्ती जडान कैटी रहल बावै ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे 'ओजरार धनगढी' अभियान अन्तर्गत काम जारी रहल बटाइल बावै । क्रमिक रूपमे 'ओजरार धनगढी' अभियान जारी रहना उपमहानगरपालिका जनैले बावै । धनगढी उपमहानगरपालिका क्षेत्रके सडकमे ओजरारके लाग बत्ती जडानके काम क्रमिक रूपमे आघे बढ्हैना बटाइल बावै ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे जनघनत्व तथा भिडभाड हुइना क्षेत्रमे एक सय २० वाट क्षमताके बत्ती जडान कैटी बावै । मने, जनघनत्व कम रहल क्षेत्रमे ५० वाट क्षमताके बत्तिसमेत जडान करजैना बावै । धनगढी उपमहानगरपालिकासे ४४ लाख ढेरके लागतमे ठेक्का मार्फत बत्ती जडानके काम सुरु करल जनैले बावै ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे अत्तरिया–धनगढी ६ लेन सडक, धनगढीके चौराहसे कैलाली पुलसमके मुख्य सडकसहित सहरी विकाससे निर्माण करल सात सडकमे समेत विद्युतीकरणके काम करल रहे ।

धनगढीके मुख्य–मुख्य बजार तथा चोकमे हाइमास्क लाइट फेन जडान करल बावै । विद्युतीकरण तथा 'ओजरार धनगढी' अभियान निरन्तर आघे बढ्हना धनगढी उपमहानगरपालिका जनैले बावै ।

Invitation for Sealed Quotations

Social Development Office

Dhangadhi, Kailali

INVITATION FOR THE SEALED QUOTATIONS

Date of Publication: (2082/01/09 B.S.)

1. Social Development Office, Dhangadhi, Kailali invites sealed bids for the supply mentioned below under sealed quotations.

S. N.	Contract Identification Number	Description of Work	Total Project Cost Excluding VAT & PS (NRs)	Bid Security (NRs)	Bid Document Price (NRs)	Last Date of Bid Purchase	Bid Submission Deadline	Bid Opening Date
1.	50/SDOKAILALI/ 2081/082	दलित बस्ती पन्चेबाजा खरिद गोदावरी ३ र ७	**1296786**	32000/-	1,000/-	2082/01/22 B.S. 5:00 PM	2082/01/23 B.S. 12:00 Noon	2082/01/23 B.S. 12:30 Noon

2. Eligible Bidders may obtain further information and inspect the Bidding Documents at the office of Social Development Office, Dhangadhi, Kailali, Email: sdo.kailali@gmail.com, Phone no. 091520014
3. A complete set of Bidding Documents may be purchased from the office of Social Development Office, Dhangadhi, Kailali by eligible Bidders on the the submission of a written application, along with the copy of company/firm registration certificate, and upon payment of a non-refundable fee of Rs. 1000.00 within the date mentioned above.
   Information for Deposit Bid Document Fee Detail
   Name of the Bank: Rastriya Banijya Bank, Dhangadhi, Kailali
   Name of Office: Social Development Office
   Office Code No: 3500177027
   Office Account No: 1000100200010000
   Revenue Shirshak No: 14229
4. Sealed bids must be submitted to Social Development Office, Dhangadhi within the time mentioned above. Bids received after this deadline will be rejected.
5. The bids will be opened in the presence of Bidders' representatives who choose to attend at the date mentioned above at the office of Social Development Office, Dhangadhi, Kailali. Bids must be valid for a period of 45 (Fourty Five) days from bid submission date and must be accompanied by a bid security amounting mentioned above, which shall be valid for 30 days beyond the validity period of the bid.
6. If the last date of purchasing, submission and opening falls on a government holiday, then the next working day shall be considered the last day. In such a case the bid validity and bid security validity shall be recognized with effect from the original bid submission deadline.
7. Social Development Office, Dhangadhi, Kailali, reserve the right to accept or reject, wholly or partly any or all the bids without assigning reason, whatsoever.

Office Chief

मजदुरको हकहित संरक्षण गरौं

- श्रमिकका लागि स्वस्थ, सुरक्षित र मर्यादित कार्य वातावरणको निर्माण गरौं,
- दक्ष श्रमशक्तिको विकास र सदुपयोग गरी उत्पादकत्व बढाऔं,
- असल औद्योगिक श्रम सम्बन्ध कायम गरौं, व्यवस्थापनमा श्रमिकको सहभागिता सुनिश्चित गरौं,
- स्वदेशी तथा विदेशी श्रम बजारको मागअनुरूप दक्ष एवं प्रतिस्पर्धी जनशक्ति तयार गरौं,
- बालश्रमलगायतका श्रम शोषणका सबै रुपको अन्त्य गरौं,
- मजदुरका लागि स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, पेन्सनलगायत अन्य सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरु लागू गरौं ।

सामाजिक सुरक्षासहितको रोजगार, हामी सबैको सरोकार ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९